(को०इं०लि०) के कलकत्ता, दिल्ली के कार्यालयों तथा विभिन्न स्थलों पर स्थित क्षेत्रीय बिक्री कार्यालयों पर किए गए कुल व्यय नीचे दिया गया है:—

(करोड़ रु० में)

वर्ष	व्यय
1990-91	23.22
1991-92	24.05
1992-93	24.37

Re-employment/Extension of Services of officials in Coal India Limited

672. SHRI P. K. AGARWALLA: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) the number of retired officials of Coal India Ltd., re-employed or whose services have been extended in Coal India Ltd., after their retirement;

(b) the period of re-employment/ extension in each case;

(c) the details of such officials as in part (a) above the designation, salary drawn, other perks and functions assigned to them at the time of retirement and at the time of re-employment; and

(d) the reasons in each case for these re-emloyments/service extensions?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) Nil.

(b) to (d). Question does not arise.

कोयला खनिकों हेतु पेंशन योजना

673. **चौधरी हरि सिंह:** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि कोयला खनिकों हेतु हाल ही में एक पेंशन योजना को स्वीकृति दी गई है और यदि हां, तो उक्त योजना का प्रारूप क्या है; और

(ख) उक्त योजना को कब तक कार्यान्वित कर दिया जाएगा?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजीत कुमार पांजा): (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता है।

कोयला उद्योग में पूंजी निवेश

674. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन:

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोयला उद्योग का राष्ट्रीयकरण किये जाने के वर्ष, 1972 में, देश में कोयले का उपादन 72 मिलियन टन था जो 1993 में बढ़कर 211 मिलियन टन हो गया है;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं और इस उद्योग में मार्च, 1972 और मार्च 1992 में कुल पूंजी निवेश कितना-कितना था;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस अवधि में कोकिंग कोयले और गैर-कोकिंग कोयले के मूल्यों में अंतर आया है; यदि हां तो वर्ष 1972 और दिसम्बर, 1992 में इन दोनों किस्मों के कोयले के मूल्य क्या-क्या थे;

(घ) गत तीन वर्षों के दौरान कोयला उद्योग से प्राप्त औसत वार्षिक लाभांश कितना है और यह कुल पूंजी निवेश का कितने प्रतिशत है;

(ङ) क्या यह भी सच है कि देश के सरकारी क्षेत्र के कोयला उद्योग को ऋणों के रूप में प्राप्त हुई पूंजी पर ब्याज देना होता है; और

(च) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान ब्याज की औसत वार्षिक राशि कितनी रही है?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा): (क) और (ख) देश में कोयले का उत्पादन 1972-73 के 77.22 मिलियन टन की तुलना में 1992-93 में 238.26 मिलियन टन तक बढ़ गया है। कोल इंडिया लि० (को०इं०लि०) तथा सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लि० (सिं०को०कं०लि०) दोनों ही में कुल पूंजी निवेश मार्च, 1972 तक 240.44 करोड़ रु० तथा मार्च, 1992 तक 13993.12 करोड़ रु० था।

(ग) अप्रैल, 1974 में कोयले की पिटहैड औसत कीमत जिसमें कोककर तथा अकोककर कोयला शामिल है, सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लि० तथा अन्य उत्पादकों के लिए क्रमशः 50.50 रु० तथा 47.50 रु० प्रति टन थी। कोककर तथा अकोककर कोयले सहित कोल इंडिया लि० तथा सिं०को०कं०लि० की कोयले की पिटहैड औसत कीमत दिसम्बर, 1993 में क्रमशः 382 रु० तथा 452 रु० प्रति टन थी।

(घ) गत तीन वर्षों में को०इं०लि० तथा सिं०को०कं० लि० को कोई डिविडेन्ट प्राप्त नहीं हुआ है।

(ङ) जी, हां।

(च) गत तीन वर्षों के दौरान को०इं०लि० तथा सिं०को०कं०लि० को दिए गए ऋण के लिए केन्द्रीय सरकार को देय ब्याज की राशि नीचे दर्शायी गई है:—

वर्ष	को०इं०लि०	सिं०को०कं०लि०
1990-91	571.38	84.50
1991-92	614.36	114.86
1992-93	633.42	141.04

Royalty on Coal

675. SHRI RAM GOPAL YADAV:
SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA:

Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some State Governments have warned the Central Government to provide royalty to them on coal otherwise the coal supply/ transaction will be stopped from their States; and

(b) if so, the number and names of such States and the decision if any taken by Government in this regard so far?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) Presumably the Hon'ble Member is referring to the requests made by some State Governments namely Bihar, Orissa and Madhya Pradesh for revision in the rates of royalty on coal. Such representations however cannot be construed as warnings.

(b) Does not arise.

रुग्ण कोयला खानों को बंद करना

676. **श्री शंकर दयाल सिंह:**
श्री सुरेश कलमाड़ी:

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार ने घाटे में चल रही कोयला खानों को बंद करने का निर्णय लिया है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा किन-किन कोयला खानों के घाटे में चलने के कारण सरकार ने उन्हें बंद करने का निर्णय लिया है?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अजित कुमार पांजा): (क) और (ख) सरकार द्वारा कोल इंडिया लिमिटेड की घाटे में चलने वाली खानों को बन्द करने के संबंध में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। किन्तु नीचे दिए गए विभिन्न कारणों से कुछ खानों में भंडारों के खत्म होने, विपरीत भू-खनन परिस्थितियां होने, आग, जलमग्न होने एवं अन्य तकनीकी समस्याएं जैसी असुरक्षित परिस्थितियां उत्पन्न होने के कारण क्रियाकलाप बन्द कर दिए गए हैं।

Completion of Safety Audit in the Underground Collieries

677. SHRI SURESH KALMADI:
PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA:
SHRI SATISH PRADHAN:

Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have issued instructions for immediate comletion of the safety audit in the undergound collieries of the Coal India Ltd; and

(b) if so, by when this work is likely to be completed to as to avert any further mishaps?